कानपुर और गोरखपुर में स्थापित होंगे मेगा टेक्सटाइल्स पार्क : सिद्धार्थ नाथ

प्रदेश सरकार की ओर से केंद्र को भेजा जा रहा प्रस्ताव

लखनऊ। प्रदेश में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए कानपुर व गोरखपुर में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। वस्त्रोद्योग मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में वस्त्रोद्योग को बढ़ावा देने के लिए देश में 7 मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना का निर्णय लिया है। इनमें से दो के लिए प्रस्ताव भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कानपुर परंपरागत रूप से वस्त्र उद्योग का केंद्र रहा है। वहां मेगा टेक्सटाइल पार्क विकसित होने पर आसपास के जिलों की इकाइयों को भी लाभ मिलेगा। इसी तरह गोरखपुर पूर्वांचल के वस्त्र उद्योग का केंद्र है। यहां भी हैंडलूम, पावरलूम, निटवेयर स्पिनिंग यूनिट चल रहे हैं। ओडीओपी के तहत गोरखपुर के रेडीमेड गारमेंट को अतिरिक्त उत्पाद के रूप में चयनित किया गया है। इसके अलावा आसपास के जिलों संतकबीरनगर व आंबेडकरनगर में भी पावरलूम वस्त्र उद्योग हैं। ऐसे में गोरखपुर में मेगा टेक्सटाइल पार्क विकसित होने पूर्वांचल के कपड़ा उद्योग को गति मिलेगी। ब्यूरो

गोरखपुर समेत चार जिलों में होगी टॉय क्लस्टर की स्थापना : सहगल

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डॉ. नवनीत सहगल ने कहा कि झांसी, चित्रकूट, वाराणसी और गोरखपुर में टॉय क्लस्टर की स्थापना कराई जाएगी। इससे खिलौना उद्योग को गति मिलेगी और बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन भी होगा। वह मंगलवार को लोकभवन में कलस्टर योजना और फ्लैटेड फैक्टरी के लिए गठित राज्यस्तरीय प्रोजेक्ट समिति की अध्यक्षता कर रहे थे। डॉ. सहगल ने बताया कि गोरखपुर का टेराकोटा और झांसी के मल्टीकलर गुड़ियों आदि खिलौनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी तरह वाराणसी व चित्रकूट के खिलौने लोगों की प्रमुख पसंद है। ऐसे में इन जिलों में टॉय कलस्टर की स्थापना से उद्यमियों को नवीनतम तकनीक की जानकारी मिलेगी। उन्होंने बताया कि आगरा और कानपुर में जल्द फ्लैटेड फैक्टरी के फेस-1 का कार्य शुरू होगा। आगरा के फ्लैटेड फैक्टरी में इकाई स्थापना के लिए 40 उद्यमियों ने पहले से ही सहमति दे दी है। इसके अलावा कानपुर के दादा नगर में प्रथम चरण में 80 यूनिट का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए होजरी इकाइयों ने सहमति दे दी है। ब्यूरो